

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग इंदिरा गांधी कृषि विश्व विद्यालय रायपुर



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक: 25-03-2022

महासमुंद(छत्तीसगढ़) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2022-03-25 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2022-03-26	2022-03-27	2022-03-28	2022-03-29	2022-03-30
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	40.0	40.0	41.0	41.0	41.0
न्यूनतम तापमान(से.)	23.0	22.0	22.0	22.0	22.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	55	50	50	50	50
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	20	15	15	15	15
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	5.0	5.0	3.0	3.0	4.0
पवन दिशा (डिग्री)	257	285	285	206	270
क्लाउड कवर (ओक्टा)	5	2	2	1	2

मौसम सारांश / चेतावनी:

डीएसएस से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार आने वाले 5 दिनों में महासमुंद जिलों में 0.0 मिमी बारिश होगी। क्लाउड राशि 12.5-62.5% होगी। अधिकतम तापमान 41.00 डिग्री सेल्सियस के बीच और न्यूनतम तापमान 22.0-23.0 डिग्री सेल्सियस के बीच अलग-अलग होगा। सापेक्षिक आर्द्रता 15-55% भिन्न होगी। हवा की गति लगभग 5.0 किमी प्रति घंटे और हवा की दिशा उत्तर-पश्चिम होगी।

सामान्य सलाहकार:

तिलहनी फसलों की कटाई का कार्य शीघ्र सम्पन्न करें । अधिक देरी होने से दाना झड़ने की संभावना बढ़ जाती है ।

लघु संदेश सलाहकार:

रबी फसल चना, गेहूं, सरसों, के कटाई के पश्चात ग्रीष्मकालीन उड़द, मूंग, एवं तिल की बुवाई करे। कृषि विज्ञान केन्द्र भलेसर महासमुंद छत्तीसगढ़।

बागवानी विशिष्ट सलाहः

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
बैंगन	ग्रीष्म कालीन साग-सब्जी फसलों में सिंचाई व्यवस्था ठीक से करें तथा तापमान कीट फैलने के लिए अनुकूल हैं उसको ध्यान में रखते हुए भिन्डी, बैंगन जैसी फसलों में रोज कीटों की निगरानी करें।
ભાાષયા	फरवरी में बुवाई की गई फसले जैसे भिन्डी, बरबटी, ग्वारफली इत्यादि में गुडाई कर सिंचाई करें।
	बेल वाली फसलों की मचान/सहारे को ठीक करें तथा कुंदरू एवं परवल में उर्वरक देवें।
बेर	बेर की किस्म के उन्नयन के लिए मातृवृक्ष में कलिका की तैयारी करें।

बागव	बागवानी विशिष्ट सलाह
पपीता	केला एवं पपीता के पौध में सप्ताह में एक बार पानी अवश्य देवें तथा टपक सिंचाई में सिंचाई समय बढ़ाये।

पशुपालन विशिष्ट सलाहः

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
	पशुबाड़े में हमेशा साफ एवं ठंडा पानी उपलब्ध रखें। यदि बाड़े के बाहर पानी का बर्तन रखते हो तो छायादार जगह पर रखें।
बकरा	पशुशाला में हवा के आवागमन हेतु व्यवस्था करें।
	तापमान में बढ़ोतरी के साथ साथ मच्छरों एवं मक्खियों का प्रकोप बढ़ रहा है। अत: उनसे बचाव हेतु पशुबाड़े में व्यवस्था करें।
भेंस	दुधारू पशुओं को ग्रीष्म काल में चारा उपलब्ध कराने हेतु ज्वार (चारा) की बुआई करें।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	दलहनी एवं तिलहनी की फसल अगर कट गई हो तो उसे सुरक्षित स्थान पर रखें।
सामान्य सलाह	बढ़ते हुए तापमान को देखते हुए ग्रीष्मकालीन गन्ना फसल में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।
	ग्रीष्मकालीन उड़द बोवाई के लिये 15-20 कि.ग्रा. प्रति हेक्टयर तथा बुवाई करने से पहले बीज को ट्राइकोडर्मा, राइजोबियम कल्चर एवं पी.एस.बी. कल्चर की 5-10 ग्राम मात्रा प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से उपचारित करें।
कृषि क्षेत्र	ग्रीष्मकालीन मूंग फसल के लिये बीज दर 25-30 कि.ग्रा. हेक्टेयर रखी जाती है। बुवाई करने के पहले बीज को ट्राइकोडर्मा, राइजोबियम कल्चर एवं पी.एस.बी. कल्चर की 5-10 ग्राम मात्रा प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से उपचारित करें।